अनुक्रमणिका

आभार vii
भारतीय हिन्दी संस्करण के लिए लेखक का आमुख ix
भारतीय संदर्भ में प्रस्तावना xiii
परिचय
1

भाग एक : पेशेवर (प्रोफेशनल)

1. भीरू पेशेवर **11**
भरोसेमंद वर्ग
गुप्त पाठ्यचर्या
सिंहावलोकन

2. वैचारिक अनुशासन **35**
राजनीतिक न बनने की राजनीति
विशेषज्ञ की राय
कोई काम कब एक पेशेवर की मांग करता है ?
पंक्तियों के बीच काम करना

3. अंदरूनी लोग, मेहमान और घुसपैठिए **54**
ज्यूरी सदस्य : सप्ताह भर के पेशेवर
अन्जान व्यंग्यकार
''वास्तविक दुनिया'' के योग्यता प्रलेख

4. तयशुदा जिज्ञासा **66**
प्रोफेसर साहब की जिज्ञासा को निर्देशित करना
सरकारी एजेंसी आखिर सरकारी एजेंसी ही है

5. गोपनीयता के खेल का सामाजिक महत्व **81**
संघनित द्रव्य भौतिकी
प्लाज्मा भौतिकी
यह तो पेशेवर ही कर सकता है

6. श्रम विभाजन **98**
व्यक्ति का निर्बलीकरण

भाग दो : चयन

7. अवसर **111**
पलायन के सपने
पलायन का अवसर
जीवन-मरण का मसला
संकरे द्वार पर कुरूप दृश्य
समझ की रणनीति

राजनीतिक प्रक्रिया के रूप में चयन
चयन का उपकरण

8. राजनीतिक वर्णाली को संकीर्ण बनाना **136**
संकुचित होने के पूर्व
रूपान्तरण तथा अप्राकृतिक चयन
प्रवेश
पाठ्यक्रम
योग्यता
शोध
रोज़गार

9. अभिवृत्ति की प्रधानता **171**
पूर्वागृह व प्राप्तांकों का समागम

10. परीक्षा का परीक्षण **187**
एक सामाजिक ढाँचे का आरोपण
पैंतरेबाजी
समय का दबाव तथा समस्या के खण्ड
ऊब तथा धैर्य
तकनीकी बारीकियाँ, नग्न फार्मुले तथा ''उपयोगिता''
सभ्रांतों के लाभ

11. निःशुल्क पूर्वाग्रह **211**
पूर्वग्रह-आवश्यक तथा अनावश्यक, गुप्त तथा सतही
फ्रायडीय त्रुटियाँ

12. ''निष्पक्ष'' आवाजें **226**

13. अधीनता **237**
पेशवरवाद (प्रोफशनलिज्म़)
नियोक्ताओं के साथ टकराव
पेशेवर-पूर्व (प्रीप्रोफेशनल्स)

भाग तीन - विरोध

14. मतारोपण का विरोध **253**
मतारोपण व विरोध

15. अपने मूल्यों को अक्षुण्ण रखते हुए पेशेवर प्रशिक्षण में बचे रहना **280**
युद्धबंदियों का विरोध
सामना या विनाश
मेरा स्वयं का मामला
व्यक्तिगत हिंसा

16. अभी या कभी नहीं **310**